ISSN: 2584-0231(Online)
International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology
© IJMRAST | Vol. 2 | Issue 1 | January 2024
Available online at: https://ijmrast.com
DOI: https://doi.org/10.61778/ijmrast.v2i1.37

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के तनाव में माता–पिता की सहभागिता का एक सहसम्बन्धात्मक अध्ययन

अनुपम जायसवाल[1], डॉ० नलिनी मिश्रा[2]

[1]शोधार्थी– शिक्षा संकाय, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती, भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ

[2]असिस्टेंट प्रोफेसर– शिक्षा संकाय, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती, भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ

[1]Email: anupamjayaswall@gmail.com | **[2]Email:** nalinimisra2014@gmail.com

आमुख:

प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन का उद्देश्य **'माता–पिता की सहभागिता का माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के तनाव में सम्बन्ध ज्ञात करना।'** उद्देश्य की पूर्ति हेतु शून्य परिकल्पना ''माता–पिता की सहभागिता और माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के तनाव में कोई सार्थक सम्बन्ध नही है'' का प्रयोग किया गया। कुल 300 विद्यार्थियों तथा उनके माता–पिता को प्रयोज्यों के रूप में चयनित कर उचित दिशा निर्देश देते हुए प्रपत्र के माध्यम से आँकड़ों संग्रहण किया गया। सहभागिता एवं तनाव नामक दो चरों के मापन के लिए डॉ. विजय लक्ष्मी एवं डॉ. श्रुति नारायन जी द्वारा बनाई गई तनाव मापनी तथा माता–पिता की सहभागिता स्केल डा. रीता चोपड़ा एवं डॉ. सुराबाला साहू द्वारा विकसित की गई सहभागिता मापनी का प्रयोग किया गया। परीक्षण के लिए 'सहसम्बन्ध विश्लेषण' के उपयोग करते हुए माता–पिता की सहभागिता और माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के तनाव नामक दोनों चरों के रैखिक सम्बन्ध का आकलन करने के परिणाम स्वरूप प्राप्त एकल संख्या सहसम्बन्ध गुणांक इन दो चरों के मध्य सम्बन्ध की दिशा और ताकत का वर्णन करते हुए इस ओर इंगित करता हैं कि माता–पिता की सहभागिता और माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के तनाव के मध्य ऋणात्मक सार्थक सम्बन्ध हैं। अर्थात् दोनों चरों में विपरीत दिशीय सम्बन्ध हैं जो स्पष्ट करते हैं कि माता–पिता की सहभगिता में वृद्धि होने से माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में तनाव में कमी आती है।

शब्द कुंजी– तनाव, माता–पिता की सहभागिता।

प्रस्तावना

अमेरिकन वैज्ञानिक हेंससेली ने सन् 1928 में सबसे पहले स्ट्रेस शब्द का इस्तेमाल किया था। अनुसंधान के द्वारा उन्होंने पाया कि मस्तिष्क में दबी हर प्रेरणा मांसपेशियो और त्वचा में दबाव पैदा करती है, जब तक इसे किसी क्रिया से निकाला नहीं जाता मांसपेशियो में तनाव बना रहता है। इस तनाव से थकान और अवसाद जन्म लेते रहतें हैं, जो धीरे धीरे जटिल बीमारियों का रूप धारण कर लेते हैं। माता पिता बच्चों के जीवन–निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभातें हैं उनके द्वारा प्रदत्त उन्नत वातावरण में शिक्षा बच्चों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व पर प्रभाव डालती है। विद्यार्थी के जीवन में अनेक तरह के तनाव होते हैं, जैसे कक्षा कार्य में कठिनाई, कक्षा में विषय को समझने में परेशानी, कक्षा में सहपाठियों से सम्बन्धित दबाव, अलग–अलग पारिवारिक वातावरण से होने के कारण आपस में सामन्जस्य बिठाने में कठिनाइयाँ आदि, जिनको दूर करने में केवल माता–पिता की सहभागिता ही सकारात्मक प्रभाव दिखा सकती है।

माता–पिता की सहभागिता के सन्दर्भ में तनाव

बालकों का सर्वांगीण विकास करना प्रत्येक अभिभावक, परिवार, समाज एंव राष्ट्र का प्रमुख कर्त्तव्य होता है, माता–पिता का स्नेह, प्रोत्साहन एंव सहभागिता से बालक अपनी शिक्षा को दृढ शैक्षिक आधार दे सकता है। माता–पिता की सहभागिता के अभाव में बालक की शिक्षा दिशाहीन, भ्रामक, नकारात्मक एवं विपरीत हो सकती है फलतः बच्चा तनावपूर्ण जीवन जीने हेतु बाध्य हो जाता है।

बालकों में तनाव, दबाव या संघर्ष उत्पन्न न हो इसके लिये अभिभावकों का ये उत्तरदायित्व है कि वह उनके जीवन के सभी पक्षों में

सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास की भावनाको जागृत करने के लिए कुशल मार्गदर्शक, प्रेरक समर्थक, स्वस्थ समालोचक और सहयोगी मित्र के रूप में उनके सर्वांगीण विकास के मार्ग में सक्रिय सहभाग करें तभी उनके जीवन के सभी आयामों में सफलता सुनिश्चित की जा सकती है।

बालकों में तनाव का स्तर कम करने के लिए परिवार में माता–पिता बालकों के साथ सहानुभूति पूर्ण व्यवहार करना, समय–समय पर पूरी सहभागिता के साथ उनका सहयोग करना, उचित निर्देश देना, मित्रवत व्यवहार करना, सही कार्यों के लिए प्रोत्साहित करना आदि प्रयास किये जाने चाहिए।

समस्या का कथन

"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के तनाव का उनके माता–पिता की सहभागिता के सन्दर्भ में अध्ययन"।

परिकल्पना

माता–पिता की सहभागिता और माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के तनाव में कोई सार्थक सम्बन्ध नही है।

शोध अभिकल्प–'सहसम्बन्धात्मक अध्ययन' (Correlational Research)

शोध विधि–'सर्वेक्षण विधि'

प्रतिदर्ष एंव प्रतिचयन विधि

इस शोध अध्ययन में प्रतिदर्शन करने के लिए साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग करते हुए मा०शि०प०, प्रयागराज से मान्यता प्राप्त लखनऊ शहर के सहशिक्षा विद्यालयों से 30 विद्यालयों का चयन साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि से किया गया। इन चयनित प्रत्येक विद्यालयों से कक्षा 11 एवं 12 के 5 बालिका तथा 5 बालकों का चयन साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि से करते हुए कुल 300 विद्यार्थियों एवं उनके माता–पिता का चयन प्रतिदर्श हेतु किया गया।

प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोधकार्य के अन्तर्गत चयनित प्रयोज्यों से आँकड़ों के संग्रहण हेतु कुल दो प्रकार के उपकरणों का प्रयोग किया गया है। उपयोग किये गये उपकरणों का संक्षिप्त परिचय अग्रानुसार किया गया हैं–

क्र.	मापनी / उपकरण का नाम	निर्माणकर्ता	प्रकाशक
1.	तनाव मापनी (संशोधित 2020)। (Stress scale (SS - LVNS)	– डॉ. विजया लक्ष्मी – डॉ. श्रुतिनारायण	नेशनल साइकोलॉजिकल कॉर्पोरेशन, आगरा।
2.	माता–पिता की सहभागिता का पैमाना या स्केल (2009)। (Parent Involvement Scale- PIS)	– डॉ. रीता चोपड़ा – डॉ. सुराबाला साहू	नेशनल साइकोलॉजिकल कॉर्पोरेशन, आगरा।

शोध विधि

सभी चयनित प्रयोज्यों को उचित दिशा निर्देश देते हुए समायोजन प्रपत्र के माध्यम से आँकड़ों का संग्रह किया गया तथा उनके माता–पिता से सम्पर्क करत हुए उनके अपने बच्चों के जीवन में सहभागिता सम्बन्धी आँकड़ों का संग्रहण करते हुए इन पूर्व आँकड़ों को उपकरण निर्देशिका के अनुसार एम एस ऐक्सेल के माध्यम से सुव्यवस्थित किया गया। तदुपरान्त विभिन्न चरों से सम्बन्धित आयामों के सहसम्बन्धों के आकलन के लिए उपकरणों से प्राप्त सुव्यवस्थित आँकड़ों का वर्णानात्मक एवं अनुमानात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया। जिसमें आँकड़ों के माध्य, मानक विचलन का उपयोग करते हुए कार्ल पियर्सन की प्रोडक्ट मूवमेंट विधि द्वारा सहसम्बन्ध एवं ऑकड़ों पर आधारित p–मान (probability value) ज्ञात करके निष्कर्ष निकाले गए। सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़ों का समस्त सांख्यिकीय विश्लेषण आईबी एम एसपीएसएस के सॉफ्टवेयर संस्करण 19.0 द्वारा किया गया।

तालिका 1– वर्णनात्मक सांख्यिकी– सहभागिता एवं तनाव

चर	माध्य	मानक विचलन (SD)	कुल प्रयोज्य (N)
माता पिता की सहभागिता	84.41	3.440	300
विद्यार्थियों का तनाव	10.15	2.125	300

तालिका 2– सहभागिता एवं तनाव के मध्य सहसम्बन्ध (Correlation)

चर	N	Pearson Correlation 'r'	Sig. (2- tailed)
माता पिता की सहभागिता	300	–.309**	.000
विद्यार्थियों का तनाव	300		
Correlation is significant at 0.01 level (2-tailed), df = 298			

परिणामों की व्याख्या

प्रस्तुत सहसम्बन्धात्मक शोध अध्ययन हेतु निर्मित शून्य परिकल्पना के आधार पर प्रस्तुत वर्णनात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण से प्राप्त परिणामों का तालिका– 1 में दर्शाया गया है, जिसके अनुसार प्रस्तुत शोध हेतु चयनित कुल 300 प्रयोज्यों के माता–पिता के विद्यालयी सहभागिता का माध्य 84.41 एवं मानक विचलन का मान 3.440 है। तथा विद्यार्थियों के तनाव का माध्य 10.15 एवं मानक विचलन का मान 2.125 है।

इसी प्रकार, तालिका–2 में माता–पिता की सहभागिता और विद्यार्थियों के तनाव नामक दो चरों के मध्य सांख्यिकीय सहसम्बन्ध को दर्शाया गया है। इन दो चरों के मध्य सांख्यिकीय सहसम्बन्धों के मानकीकृत आकलन एवं सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु 'कार्ल पियर्सन प्रोडक्ट मूवमेंट सहसम्बन्ध विधि' का उपयोग किया गया है। परिणामतः माता–पिता की सहभागिता और विद्यार्थियों के तनाव नामक चरों के मध्य सांख्यिकीय सहसम्बन्ध विश्लेषण द्वारा प्राप्त 'पियर्सन सहसम्बन्ध' मान –.309 है तथा 'टू–टेल्ड परीक्षण' के लिए सार्थकता मान 'p' (probability value)- .000 है जो 0.05 तथा 0.01 से कम है। यह मान दर्शाता है कि माता–पिता की सहभागिता और विद्यार्थियों के तनाव नामक दो चरों के मध्य 0.01 स्तर (टू–टेल्ड) पर ऋणात्मक सार्थक सहसम्बन्ध हैं। अतः इस सांख्यिकीय विश्लेषण के परिणाम स्वरूप प्रस्तुत अध्ययन के तहत निर्मित शून्य परिकल्पना अर्थात् "माता–पिता की सहभागिता और माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के तनाव में कोई सहसम्बन्ध नहीं है" को निरस्त करते हुए यह सम्भावना दर्शायी जाती है कि चयनित प्रयोज्यों के लिए माता–पिता की सहभागिता एवं तनाव नामक दो चरो के मध्य नकारात्मक सहसम्बन्ध है। जिसका अर्थ यह है कि यदि विद्यार्थियों के माता–पिता विद्यार्थियों की घरेलू शैक्षिक और सामाजिक आदि समस्त प्रकार की गतिविधियों में सक्रियता से प्रतिभाग करेंगे तो इससे विद्यार्थियों के जीवन में तनाव की सम्भावनाएं कम होंगी, अर्थात माता–पिता की सहभागिता उनके विद्यार्थियों के जीवन में तनाव को कम करेगी।

अनुसंधान नैतिकता

विद्यार्थियों/विषयों को आँकड़ों के संग्रह से पूर्व इन प्रश्नावलियों से प्रति उत्तर प्राप्त करने के लिए प्रयोज्यों को शोध के उद्देश्यों से भली–भाँति अवगत कराया गया, उनके प्रति उत्तरों को गुप्त रखने का वचन भी दिया गया तथा किसी भी स्तर पर पक्षपात को दूर रखा गया।

उपसंहार

विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष– माता–पिता की सहभागिता एवं छात्रों के तनाव में नकारात्मक सहसम्बन्ध ये इंगित करता है कि बालकों में तनाव, दबाव या संघर्ष उत्पन्न न हो इसके लिये अभिभावकों का ये उत्तरदायित्व है कि वह उनके जीवन के सभी पक्षों में सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास की भावना को जागृत करने के लिए कुशल मार्गदर्शक, प्रेरक समर्थक, स्वस्थ समालोचक और सहयोगी

मित्र के रूप में उनके सर्वांगीण विकास के मार्ग में सक्रिय सहभाग करें तभी विद्यार्थियों के जीवन की समस्त परिस्थितियों में तनाव रहित होकर, सफलता सुनिश्चित की जा सकती है।

सन्दर्भ सूची–

[1]. इन्दुदवे, (1971) शिक्षा के मनौवैज्ञानिक आधार, जयपुर, राजस्थान : हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पृ.–296।

[2]. के. पी. पाण्डेय (2005), नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, पृ.–434।

[3]. सिंह, बी., (2004), लखनऊ के 11 एवं 12वीं के विद्यार्थियों की दुश्चिन्ता और पारिवारिक पृष्ठभूमि सम्बन्ध का एक अध्ययन।

[4]. Selye, H. (1956). The stress of life. New York, NY: McGraw-Hill.

[5]. Smith, T. W. (2015). Stress in America: Understanding the Stress of Adults in the United States. American Psychological Association.

[6]. Rogers, C. R. (1951). Client-centered therapy: Its current practice, implications, and theory. Houghton Mifflin.

[7]. Mischel, W. (1968). Personality and Assessment. John Wiley & Sons.

[8]. Markus, H., & Cross, S. E. (1990). The interpersonal self. Handbook of personality: Theory and research, 2, 596-623.

[9]. Harter, S. (1999). The construction of the self: A developmental perspective. Handbook of child psychology, 1, 555-574.

[10]. Hadi, P. (2020). Study from home in the middle of the COVID-19 pandemic analysis of religiosity, teacher, and parents support against academic stress.

[11]. Hasumi, T., Ahsan, F., Couper, C. M., Aguayo, J. L., & Jacobsen, K. H. (2012). Parental involvement and mental well-being of Indian adolescents. *Indian pediatrics*, *49*, 915-918.

[12]. Herman, K. C., Prewett, S. L., Eddy, C. L., Savala, A., & Reinke, W. M. (2020). Profiles of middle school teacher stress and coping: Concurrent and prospective correlates. *Journal of School Psychology*, *78*, 54-68.

[13]. Kaplan Toren, N., & Seginer, R. (2015). Classroom climate, parental educational involvement, and student school functioning in early adolescence: A longitudinal study. *Social Psychology of Education*, *18*, 811-827.

[14]. Gergen, K. J. (1971). The Concept of Self. In Psychological and biological concepts: Their relationship and integration (pp. 32-56). John Wiley & Sons.

[15]. Yap, S. T., & Baharudin, R. (2016). The relationship between adolescents' perceived parental involvement, self-efficacy beliefs, and subjective well-being: A multiple mediator model. *Social Indicators Research*, *126*, 257-278.

Cite this Article

अनुपम जायसवाल, डॉ० नलिनी मिश्रा, "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के तनाव में माता–पिता की सहभागिता का एक सहसम्बन्धात्मक अध्ययन", *International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology (IJMRAST), ISSN: 2584-0231, Volume 2, Issue 1, pp. 43-46, January 2024.*

Journal URL: *https://ijmrast.com/*

DOI: *https://doi.org/10.61778/ijmrast.v2i1.37*

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License.